


निविदा सूचना

नेशनल हैल्थ मिशन मे कार्यालय स्टेशनरी सामग्री की 01 वर्ष हेतु दर सविदा करने के प्रयोजनार्थ पंजीकृत फर्मों से निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदाएँ दिनांक 02.12.2019 से 20.12.2019 को मध्याह्न 1.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 20.12.2019 को मध्याह्न 04.00 बजे तक कमरा न0 222, द्वितीय तल स्वास्थ्य भवन, जयपुर में जमा कराई जा सकती है। निविदा दिनांक 23.12.2019 को प्रात 11.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी।

क्र0स0	कार्य का नाम	वार्षिक अनुमानित लागत (रु0 लाख में)	अमानत राशि (राशि रु0 में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रु0 में)
1	कार्यालय स्टेशनरी	9.00	18000/-	200.00

निविदा प्रपत्र कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क का ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक राजस्थान स्टेट हैल्थ सोसायटी जयपुर के नाम देय का जमा करा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदाए मुहरबन्द लिफाफे में जिस पर स्पष्ट रूप से "कार्यालय स्टेशनरी सामग्री के लिए" निविदा लिखा होना चाहिए।

निविदाएँ स्वास्थ्य भवन की विभागीय वेबसाईट [www. rajswasthya.nic.in](http://www.rajswasthya.nic.in) & पोर्टल <http://sppp.raj.nic.in> पर भी उपलब्ध हैं।


मिशन निदेशक
एनएचएम

राजस्थान सरकार
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएँ
राजस्थान स्टेट हेल्थ सोसायटी (एन.आर.एच.एन.)
राजस्थान, जयपुर

कार्य की अनुमानित लागत रुपये 9.00 लाख
अमानत राशि रुपये 18000/-

निविदा प्रपत्र शुल्क- 200 रुपये
निविदा प्रपत्र विक्रय प्रारम्भ तिथि - 02.12.2019

कार्यालय स्टेशनरी आपूर्ति हेतु निविदा प्रपत्र (एक वर्ष हेतु)

1. कार्यालय स्टेशनरी क्रय के लिए निविदा
2. निविदा प्रस्तुत करने वाली फर्म का नाम व रजिस्ट्रेशन होने का प्रमाण पत्र.....
.....
डाक का पता, टेलीफोन न० एवं GST No.& PAN No.
3. जयपुर सम्पर्क कार्यालय का पता
4. किसको संबोधित किया गया - मिशन निदेशक, एनएचएम, (राजस्थान स्टेट हेल्थ सोसायटी)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, राजस्थान, जयपुर।
5. निविदा सूचना संदर्भ दिनांक.....
6. निविदा फार्म शुल्क की राशि रु० 200/- राजस्थान स्टेट हेल्थ सोसायटी, जयपुर के पक्ष में बैंकर
चैक/ डी डी. से जमा कराई जा रही है।
7. हम, मिशन निदेशक, एनएचएम चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ राजस्थान, जयपुर द्वारा जारी की गई
निविदा सूचना संख्या दिनांक..... में दर्जित शर्तों से तथा संलग्न शीट में
दी गई उक्त निविदा सूचना की अतिरिक्त शर्तों से बाध्य होना स्वीकार करते हैं (इनके सभी
पृष्ठों पर उनसे उल्लेखित शर्तों को हमारे द्वारा स्वीकार किये जाने के प्रमाण में हमने हस्ताक्षर कर
दिये हैं।
8. निविदा फार्म के साथ संलग्न प्रपत्र 'अ' में दर्शाई गई दरे सभी कर एवं शुल्क सहित अंकित
करें। अलग से कर की दरे अंकित करने पर निविदा निरस्त कर दी जावेगी। दरे स्पष्ट हो।
9. सामग्री जिसके लिए निविदादाता अपनी दरे प्रस्तुत करता है, उसके नमूने पृथक से सीलबंद
लिफाफे में प्रस्तुत करेंगे।
10. प्रपत्र 'अ' में दी गई दरे अनुमोदन की तिथि से एक वर्ष तक के लिए मान्य है तथा सामान
विभिन्न चरणों में विभाग की आवश्यकतानुसार आपूर्ति करवाया जावेगा।
11. निविदा सूचना में अंकित राशि रुपये 18000/- अमानत राशि के रूप में राजस्थान स्टेट हेल्थ
सोसायटी, जयपुर के पक्ष में बैंकर चैक/बैंक ड्राफ्ट निविदा फार्म के साथ संलग्न है। जिसका
विवरण निम्न प्रकार से है :-
क्र०सं० विवरण राशि (रूपये में)
12. निविदा फार्म के साथ बिक्री कर पंजीकरण प्रमाण पत्र व चालु वर्ष का वेट चुकता प्रमाण पत्र
संलग्न है।
13. त्रिनिर्माता/डीलर आदि का घोषणा पत्र संलग्न है।
14. निविदा के साथ अमानत राशि नहीं होने तथा विलम्ब से प्राप्त निविदा स्वतः ही रद्द मानी जावेगी।
15. आदेश के अनुसार सामान की आपूर्ति कार्यालय की आवश्यकतानुसार करनी होगी। आदेश जयपुर
स्थित पते पर दिया जावेगा।

निविदादाता के हस्ताक्षर मय मोहर एवं दिनांक

स्टेशनरी सामग्री का विवरण एवं वित्तीय दरें

क्र.सं.	सामग्री का विवरण	दर प्रति नग (रु में) एफओआर स्टोर सहित	GST As Applicable
1	फाईल कॅवर (टू-पीस) उत्तम क्वालिटी के		
2	फाईल पैड उत्तम क्वालिटी के		
3	फाईल लैस 24"/9 X 24 (पैक)		
4	फाईल टैग अच्छी क्वालिटी		
5	प्लास्टिक फाईल कॅवर (ट्रान्सपेरेन्ट फोल्डर) ए4 साईज		
6	प्लास्टिक फाईल कवर (ट्रान्सपेरेन्ट फोल्डर) लीगल साईज		
7	डाक पुस्तिका-120 पेज मय गत्ता बाईण्डिंग		
8	सफेद फ़्ल्यूड (Whitener)		
9	पेपर ए-4 फोटो स्टेट 75 जीएसएम कागज		
10	पेपर एफ-एस फोटो स्टेट 75 जीएसएम कागज		
11	डिस्पेच रजिस्टर 400 पेज मय गत्ता बाईण्डिंग		
12	रिसिप्ट रजिस्टर 400 पेज मय गत्ता बाईण्डिंग		
13	स्पाईरल पैड 10 नम्बर		
14	स्पाईरल पैड 3X1 कलर 100 पेज		
15	स्टेपलर 10 नम्बर		
16	स्टेपलर 24 नम्बर		
17	स्टेपलर पिन 10 न0		
18	स्टेपलर पिन 24 न0		
19	डाक पैड उच्च क्वालिटी		
20	आलपिन पैकेट		
21	आलपिन कुशन प्लास्टिक		
22	रजिस्टर लाईनदार 180 पेज मय गत्ता बाईण्डिंग		
23	रजिस्टर लाईनदार 300 पेज मय गत्ता बाईण्डिंग		
24.	यू पिन पैकेट		
25.	फेवीस्टीक		
26.	पेन यूनिबोल		
27	पेन पायलेट वी-10		
28	पेन पायलेट वी-7		
29.	पेन पायलेट वी-5		
30.	पेन जैल		
31.	पेन (सेलो/रेनोल्ड)		
32.	हाईलाईटर		
33.	केलकुलेटर 12 डीजिट		



34.	फलैग 3 कलर 25 mm X 75 mm		
35.	फलैग पोस्टेड 1 कलर		
36.	पोकर प्लास्टिक हैडिल		
37.	गोंद की बोटल 700 एम.एल.		
38.	रूल पेसिल एचबी/अप्सरा		
39.	शापनर		
40.	ईरेजर (रबड)		
41.	सैलो टेप 2 इंच सफेद		
42.	सैलो टेप 1 इंच सफेद		
43.	पेपर बैट प्लास्टिक		
44.	व्हाइट बोर्ड मार्कर पेन		
45.	परमानेन्ट मार्कर पेन		
46.	स्टाम्प पैड मीडियम साईज		
47.	बाइण्डर क्लिप 19 एमएम		
48.	बाइण्डर क्लिप 25 एमएम		
49.	बाइण्डर क्लिप 32 एमएम		
50.	बाइण्डर क्लिप 41 एमएम		
51.	पचिंग मशीन मीडियम		
52.	पचिंग मशीन बडी		
53.	पेन्सिल सैल XX,XXX		
54.	डस्टबिन प्लास्टिक सुपर क्वालिटी		
55.	जग प्लास्टिक सुपर क्वालिटी		
56.	पेपर कटर मीडियम साईज		
57.	रिमोट बैल		

विशेष नोट :- प्रत्येक आईटम की दरें स्पष्ट तथा एफओरआर स्टोर होनी चाहिए, साथ ही Goods & Service Tax पृथक से अंकित करें।

निविदादाता के हस्ताक्षर मय सील

निविदा की शर्तें

1. निविदाओ को निविदा सूचना में दिए गए निर्देशों के अनुसार उचित रूप से मुहरबन्द लिफाफे में बन्द करना चाहिए।
2. वास्तविक डीलरों (Bonafide dealers) द्वारा निविदाएँ :- निविदाएं मालों के वास्तविक डीलरों द्वारा ही दी जायेगी। अतः ये एस.आर. प्रारूप 11 में एक घोषणा प्रस्तुत करेंगे।
3. (i) फर्म के गठन आदि में किसी भी परिवर्तन की सूचना क्रेता अधिकारी को लिखित में ठेकेदार द्वारा दी जायेगी तथा इस परिवर्तन से संविदा के अधीन किसी भी दायित्व से, फर्म के पहले सदस्य को मुक्त नहीं किया जाएगा।

(ii) संविदा के संबंध में फर्म में किसी भी नए भागीदार/भागीदारों के ठेकेदार द्वारा फर्म में तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि वे इसकी समस्त शर्तों को मानने के लिए बाध्य नहीं हो जाते एवं क्रेता अधिकारी को इस संबंध में लिखित इकरार नामा प्रस्तुत नहीं कर दते। प्राप्ति स्वीकृति के लिए ठेकेदार की रसीद या बाद में उपरोक्त रूप में स्वीकार के साथ किसी भागीदार की रसीद उन सब को बाध्य करेगी तथा वह संविदा के किसी प्रयोजन के लिए पर्याप्त रूप से उन्मुक्ति (डिस्चार्ज) होगी।
4. बिक्री कर पंजीयन एवं चूकती प्रमाण पत्र :- कोई भी डीलर यदि उस राज्य में प्रयोजित जहाँ उसका व्यवसाय स्थित है, Goods & Service Tax अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत नहीं है तो वह निविदा नहीं देगा। GST पंजीयन संख्या का उल्लेख किया जाना चाहिए तथा सद्यः सर्किल के वाणिज्यिक कर अधिकारी से कर चूकती प्रमाण -पत्र प्रस्तुत किया जाएगा।
5. निविदा प्रारूप स्याही से भरा जाएगा या टंकित किया जायेगा। पेंसिल से भरी गयी किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता संविदा के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर करेगा तथा अन्य में निविदा के समस्त निबंधनों एवं शर्तों को स्वीकार करने के प्रमाण में हस्ताक्षर करेगा।
6. दर शब्दों एवं अंको दोनों में लिखी जाएगी। इसमें कोई त्रुटियाँ एवं/या उपरिलेखन नहीं होना चाहिए। यदि कोई शुद्धियाँ करनी हों तो स्पष्ट रूप से की जानी चाहिए एवं उन पर दिनांक सहित लघुहस्ताक्षर किए जाने चाहिए।

7. मूल्य अधिमान :- मूल्य अधिमान/अधिमान, राजस्थान के उद्योगों द्वारा उत्पादित या विनिर्मित मालों को राजस्थान के बाहर के उद्योगों द्वारा उत्पादित या विनिर्मित मालों पर भण्डार क्रय (राजस्थान के उद्योगों को अधिमान) नियम, 1995 के अनुसार दिया जाएगा।
8. अनुमोदित प्रदायकर्ता के लिए यह समझा जाएगा कि उसने प्रदाय किये जाने वाले माल की शर्तों, विनिर्देशों, आकार, मेक एवं रेखाचित्रों आदि की सावधानीपूर्वक जांच कर ली है। यदि उसे इन शर्तों, विनिर्देशों, रेखाचित्रों आदि के किसी भाग के आशय के बारे में कोई सन्देह हो, तो वह संविदा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व, उसे क्रेता अधिकारी को भेजेगा तथा उससे स्पष्टीकरण प्राप्त करेगा।
9. ठेकेदार अपनी संविदा को या उसके किसी सारवान भाग को किसी अन्य एजेंसी को नहीं सौंपेगा या उप-भाडे (सब लैट) पर नहीं देगा।
10. विनिर्देश :- (i) प्रदाय की गयी सभी वस्तुएं निविदा में निर्धारित विनिर्देश, ट्रेडमार्क के शर्तों के पूर्णतया अनुरूप होंगी तथा जहाँ पर वस्तुओं की आईएस.आई. विनिर्देश के अनुसार अपेक्षा की गयी हो, वहाँ उन मर्कों को पूर्णरूप से उन विनिर्देशों के अनुरूप होना चाहिए तथा उन पर वह मार्क होना चाहिए।
- (ii) वारंटी/गारंटी खण्ड :- निविदादाता यह गारंटी देगा कि माल/सामान/वस्तुएं खरीदे जाने वाले उक्त माल/सामान/वस्तुओं की सुपुर्दगर के दिनांक से 6 माहों की अवधि तक यथा विनिर्दिष्ट विवरण एवं गुणवत्ता के अनुरूप बनी रहेगी तथा इस तथ्य के बावजूद कि क्रेता ने उक्त मालों/सामानों/वस्तुओं का निरीक्षण कर लिया है एवं/या उन्हें अनुमानित कर दिया है, यदि 6 माहों की उक्त अवधि में, उक्त मालों/सामानों/वस्तुओं को उपरोक्त विवरण एवं गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया गया या वे समाप्त हो गए हैं (तथा उस संबंध में क्रेता अधिकारी का निर्णय अन्तिम व निर्णायक होगा), तो क्रेता उक्त मालों/सामानों/वस्तुओं को या उनके उस भाग को जो उक्त विवरण एवं गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया जाए, रद्द करने का हकदार होगा। ऐसे रद्द किये जाने पर माल/सामान/वस्तुएं विक्रेता की जोखिम पर होंगी तथा माल आदि को रद्द करने से संबंधित समस्त उपबंध लागू होंगे। निविदादाता, यदि उसे ऐसा करने के लिए कहा जाए तो वह उस माल आदि को या उसके भाग को जिसे क्रेता अधिकारी द्वारा रद्द कर दिया गया है, बदल देगा, अन्यथा निविदादाता ऐसी नुकसानी के लिए भुगतान करेगा जो इसमें दी गयी शर्तों के उल्लंघन के कारण उत्पन्न होगी। इसमें दी गयी कोई भी बात से इस संविदा के अधीन या अन्यथा उस संबंध में क्रेता अधिकारी के किसी अन्य अधिकारी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगी।

१

11. सलंगन प्रपत्र अ के क्रम संख्या 1 से 6, 13, 14, 19, 54, 55, 56 एवं 57 के नमूने उपलब्ध कराये जाने है। प्रत्येक नमूने पर, उस पर, या उस पर मजबूती से चिपकायी गयी किसी मजबूत कागज की पर्ची पर निविदादाता का नाम, मद की क्रम संख्या जिसका वह अनुसूची में नमूना है, आदि लिखे जाएंगे।
12. अनुमोदित नमूनों को संविदा के समाप्त होने के बाद छः माह की अवधि तक निःशुल्क रखा जाएगा। इस अवधि में इन नमूनों को प्रतिधारित करने के दौरान उनमें परीक्षण, जॉच आदि के दौरान किसी भी नुकसान, टूट-फूट, हानि के लिए सरकार उत्तरदायी नहीं होगी। निर्धारित अवधि की समाप्ति पर निविदादाता द्वारा नमूनों को वापस लिया जाएगा। सरकार किसी भी रूप में उन्हें लौटाने की व्यवस्था नहीं करेगी। संविदा समाप्त होने की अवधि के बाद यदि 9 माह की अवधि के भीतर कोई नमूने प्राप्त नहीं किए जाते है तो उन्हें सरकार द्वारा समपह्त (Forefeit) कर लिया जाएगा तथा उनकी लागत आदि के लिए कोई क्लेम स्वीकार नहीं किया जाएगा।
13. असफल निविदादाताओं द्वारा अनुमोदित नहीं किए गए नमूनों को इन्डेंट किया जाएगा। जिस अवधि में इन नमूनों को रखा जाता है उनमें परीक्षण, जॉच आदि के दौरान किसी भी प्रकार के नुकसान, टूट-फूट या हानि के लिए सरकार उत्तरदायी नहीं होगी। इन नमूने वापस नहीं लिए जाएंगे उन्हें समपह्त किया जाएगा तथा उनकी लागत आदि के लिए किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
14. प्रदाय जब भी प्राप्त किया जाएगा उनका निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि वे विनिर्देशों या अनुमोदित नमूनों के अनुरूप है। जहाँ आवश्यक हो या विहित किया गया हो या व्यावहारिक हो, वहाँ परीक्षण सरकारी प्रयोगशालाओं, प्रतिष्ठित परीक्षण गृहों जैसे श्री राम टेस्टिंग हाउस, नई दिल्ली एवं तत्समान परीक्षण गृहों में कराया जाएगा तथा जहाँ पर प्रदाय किया गया सामान इन परीक्षणों के परिणामस्वरूप विहित विनिर्देशों के स्तर के अनुरूप पाया जाएगा, उन्हें स्वीकार किया जाएगा।
15. **रद्द करना :-** (i) निरीक्षण या परीक्षण के दौरान जो वस्तुएँ अनुमोदित नहीं की जाएगी उन्हें रद्द किया जाएगा तथा निविदादाता द्वारा उन्हें क्रेता अधिकारी द्वारा निश्चित किए गए समय के भीतर अपनी स्वयं की लागत पर बदला जाएगा।
- (i) तथापि, यदि सरकारी कार्य की तात्कालिक आवश्यकता के कारण, उन वस्तुओं को पूर्ण या आंशिक रूप में बदलना साध्य (Feasible) नहीं समझा जाए, तो क्रेता अधिकारी निविदादाता को सुनवाई किए जाने का एक उचित अवसर देकर, ऐसे कारणों से जो अभिलिखित किए जाएंगे,

अनुमोदित दरों में से उपयुक्त राशि की कटौति करेगा। इस प्रकार की गयी कटौती अन्तिम होगी।

16. रद्द की गयी वस्तुओं को निविदादाता उन्हें रद्द करने की सूचना प्राप्त करने से 15 दिन के भीतर हटा लेगा, इसके बाद क्रेता अधिकारी किसी भी प्रकार की हानि, कमी या नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होगा तथा उसे निविदादाता की जोखिम एवं उसके मद्दे उन वस्तुओं को जिन्हें वह उचित समझे, बेचने का अधिकारी होगा।
17. निविदादाता उचित बैंकिंग करने के लिए उत्तरदायी होगा ताकि समुद्र, रेल, सड़क या वायुयान द्वारा परिवहन की सामान्य स्थिति में उनमें कोई नुकसान न हो तथा गन्तव्य स्थल पर माल प्राप्तकर्ता को माल की सुपुर्दगी अच्छी दशा में प्राप्त हो सके। किसी प्रकार की हानि, नुकसान, टूट-फूट या रिसाव (लीकेज) या किसी कमी के होने के मामले में, निविदादाता माल प्राप्तकर्ता द्वारा उन सामग्रियों की जांच/निरीक्षण किए जाने पर पायी गयी ऐसी हानि एवं कमी की पूर्ति करने के लिए उत्तरदायी होगा। इसके लिए कोई अतिरिक्त लागत अनुज्ञेय नहीं होगी।
18. प्रदाय हेतु निविदा को, यदि माल का प्रदाय क्रेता अधिकारी की सतुष्टि के अनुसार नहीं किया जाता है, तो निविदादाता को सुनवाई का एक युक्तियुक्त अवसर देने के बाद क्रेता अधिकारी किसी भी समय निराकृत (Repudiate) कर सकता है। वह इस प्रकार निराकृत करने के कारणों को अभिलिखित करेगा।
19. निविदादाता या उसके प्रतिनिधि की ओर से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना पक्ष समर्थन कराना एक प्रकार की अनर्हता (Disqualification) होगी।
20. (i) समस्त सामग्री एनएचएम द्वारा निर्धारित स्टोर/स्थान पर आपूर्ति निविदादाता को करानी होगी। इस हेतु किसी भी प्रकार का भाड़ा/अन्य खर्च का भुगतान नहीं किया जावेगा।
(ii) यदि क्रेता अधिकारी किन्ही निविदा वस्तुओं की खरीद नहीं करता है या निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट मात्रा से कम मात्रा में माल खरीदता है, तो निविदादाता किसी क्षतिपूर्ति का क्लेम करने का हकदार नहीं होगा।
(iii) अनुबंध की अवधि अनुबंध तिथि से एक वर्ष के लिए होगी आवश्यकता पड़ने पर यह अवधि आपसी सहमति से 6 माह के लिए बढ़ाई जा सकती है।
21. निविदादाता द्वारा निविदा क्रयादेश में अवधि में आवश्यकतानुसार सप्लाई उल्लेखित अवधि में करनी होगी।
22. बीमा :- (i) सामान गन्तव्य गोदाम पर सही दशा में सुपुर्द किए जाएंगे। यदि प्रदायकर्ता चाहे वह मृत्यवान सामान को चोरी, नाशन या नुकसान द्वारा या आग, बाढ़, मौसम में पडा रहने के

कारण या अन्यथा (जैसे—युद्ध, विद्रोह, दंगे आदि) द्वारा हानि से बचाने के लिए बीमा करा सकेगा। यह बीमा प्रभार निविदादाता द्वारा वहन किया जाएगा तथा यदि ऐसे व्यय किए जाते हैं तो राज्य से इन प्रभारों का भुगतान करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(ii) यदि क्रेता द्वारा चाहा गया हो तो क्रेता की लागत पर भी इन वस्तुओं का बीमा कराया जा सकेगा। ऐसे मामलों में बीमा सदैव भारतीय जीवन बीमा निगम या उसकी सहायक शाखाओं से कराया जाना चाहिए।

23. (i) जब तक पक्षकारों के मध्य अन्यथा सहमति न हो जाए, सामान की सुपुर्दगी के लिए भुगतान निविदादाता द्वारा क्रेता अधिकारी को उचित प्ररूप में सामान्य वित्तिय एवं लेखा नियमों के अनुसार बिल प्रस्तुत करने पर किया जाएगा तथा सभी प्रेषण प्रभार निविदादाता द्वारा वहन किए जाएंगे।

(ii) विवादास्पद मदों के सम्बन्ध में, राशि का 10 से 25% तक को रक्का जाएगा तथा उस विवाद का निपटारा हो जाने पर उसका भुगतान कर दिया जाएगा।

(iii) उन मामलों के सम्बन्ध में, जिनमें परीक्षण करने की जरूरत है भुगतान तभी किया जाएगा। जब उनका परीक्षण कर लिया जाए तथा प्राप्त हुए परीक्षण परिणाम विहित विनिर्देशों के अनुरूप हों।

24. (i) निविदा प्रपत्र में सुपुर्दगी के लिए विनिर्दिष्ट समय को सविदा के सार रूप में समझा जाएगा तथा सफल निविदादाता क्रेता अधिकारी से स्पष्ट आदेश के प्राप्त होने पर अवधि के भीतर प्रदाय करेगा।

1. यदि प्रदायकर्ता किन्हीं बाधाओं के कारण संविदान्तर्गत माल का प्रदाय पूरा करने के लिए समय में वृद्धि करना चाहता है, तो वह लिखित में उस प्राधिकारी को आवेदन करेगा। जिसने प्रदायगी हेतु आदेश दिया है। किन्तु वह उसके लिए निवेदन बाधा के घटित होने पर तुरन्त उसी समय करेगा न कि प्रदाय पूर्ण होने की निर्धारित तारीख के बाद करेगा।

2. यदि माल का प्रदाय करने में उत्पन्न हुई बाधा निविदादाता के नियन्त्रण से परे कारणों से हुई हो तो सुपुर्दगी की अवधि में वृद्धि परिसमापित नुकसानी सहित या रहित की जा सकेगी।



25. वसूलियाँ :- परिसमापित नुकसानी, कम प्रदाय, टूट-फूट, रद्द की गयी वस्तुओं के लिए वसूली साधारण रूप से बिल में से की जाएगी। प्रदायकर्ता कम प्रदाय, टूट-फूट, रद्द किए गए मालों की सीमा तक राशि को भी रोका जा सकेगा तथा यदि प्रदायकर्ता संतोषजनक ढंग से उनको नहीं बदलता है तो परिसमापित नुकसानी के साथ वसूली उसकी देय राशि (dues) एवं विभाग के पास उपलब्ध प्रतिभूति निक्षेप से की जाएगी। यदि वसूली करना सम्भव न हो तो राजस्थान पीडीआर एक्ट या प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी।
26. मूल निविदा फॉर्म के साथ सलग्न प्रपत्र 'अ' में ही निविदादाता अपनी दरे दर्शाए। विभागीय प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य दस्तावेज पर दी गई दरे मान्य नहीं होगी।
27. निविदा मुहरबंद लिफाफे में प्रस्तुत की जाएगी जिस पर लेखन सामग्री आपूर्ति कार्य के लिए निविदा अंकित होना चाहिये।
28. फर्म द्वारा प्रस्तुत बिलो का भुगतान विभाग एक माह में करने का प्रयत्न करेगा। किन्तु यदि किसी विशेष परिस्थिति में एक माह से अधिक समय लगता है तो उस दशा में फर्म को भुगतान योग्य राशि पर किसी प्रकार का व्याज या अन्य प्रकार का कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं दिया जावेगा।
29. निविदादाता को किसी भी प्रकार का कोई अग्रिम भुगतान नहीं दिया जावेगा। प्रत्येक कार्यदेश का कार्य सतोषप्रद रूप से समाप्त होने के बाद ही विभाग में स्वीकार करने के बाद ही भुगतान कार्यवाही की जाएगी।
30. निविदादाता निविदा कार्य तथा शर्तों के प्रत्येक पृष्ठ पर मुहर सहित हस्ताक्षर करेगा तथा निविदा के अंतिम पृष्ठ पर सभी शर्तों को सम्पूर्ण रूप में स्वीकार करने की सहमति देते हुए अलग से हस्ताक्षर करेगा।
31. निविदा फॉर्म में किसी प्रकार की काट छांट व ओवर राईटिंग नहीं होनी चाहिए। यदि कोई संशोधन किया जावे तो पुनः स्पष्ट अक्षरों में लिखा जाकर इस पर अपने लघु हस्ताक्षर करने होंगे। काट छांट/ओवर राईटिंग होने पर निविदा रद्द समझी जाएगी।
32. किसी भी निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार विशिष्ट शासन सचिव चिकि. स्वा एवं प.क. एवं मिशन निदेशक एनएचएम राजस्थान, जयपुर को होगा।
33. बोली प्रतिभूति (bid) :- (क) निविदा के साथ रूपये की बयाना राशि प्रस्तुत की जाएगी। इसके बिना निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। यह राशि के पक्ष में निम्नलिखित में से किसी रूप में भी जमा करायी जानी चाहिए :-

1

1. नकद-शीर्ष "8443-सिविल निक्षेप-103 प्रतिभूति निक्षेप" के अन्तर्गत ट्रेजरी चालान में जमा कराया जाना चाहिए।
 2. शिड्यूल बैंक का बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक/बैंक गारंटी
34. बोली प्रतिभूति :- बयाना राशि को निम्नलिखित मामलों में समपह कर दिया जाएगा :-
1. जब निविदादाता निविदा खोलने के बाद किन्तु निविदा को स्वीकार करने के पूर्व प्रस्ताव को वापस लेता है या उसमें रूपान्तरण करता है।
 2. जब निविदादाता विनिर्दिष्ट समय के भीतर विहित किसी करार को, यदि कोई हो, निष्पादित नहीं करता है।
 3. जब निविदादाता प्रदायगी के लिए आदेश देने के बाद प्रतिभूति राशि जमा नहीं करता है।
 4. जब वह विहित समय के भीतर प्रदाय आदेश के अनुसार मदों का प्रदाय प्रारम्भ करना असफल रहता है।
35. (1) करार एवं प्रतिभूति निक्षेप (Performance Gurantee) -
- (i) सफल निविदादाता को आदेश के प्राप्त होने से 7 दिन की अवधि के भीतर प्रस्ताव में एक करार पत्र निष्पादित करना होगा तथा अजन सामानो (स्टोर्स) के लिए निविदा स्वीकार की गयी है, उनके मूल्य के 5 प्रतिशत के बराबर प्रतिभूति जमा कराना होगा। यह प्रतिभूति प्रेषण के उस दिनांक से जिसको निविदा के स्वीकार किए जाने की सूचना उसे दी गयी है, 15 दिन के भीतर जमा करायी जाएगी।
 - (ii) निविदा के समय जमा करायी गयी बयाना राशि को प्रतिभूति की राशि के रूप में समायोजित किया जाएगा। प्रतिभूति की राशि किसी भी दशा में बयाना राशि जमा की नहीं होगी।
 - (iii) प्रतिभूति राशि पर विभाग द्वारा ब्याज का भुगतान नहीं किया जाएगा।
 - (iv) प्रतिभूति राशि के रूप में निम्न प्रकार होंगे :- (क) नकद/बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक/ चालान की रसीदी प्रति/बैंक गारन्टी
 - (v) एक बार की खरीद के मामले में क्रय आदेश के अनुसार मदों के अन्तिम प्रदाय से एक माह के भीतर तथा यदि सुपुर्दगी को सान्तर (Staggered) किया जाना है तो दो माह के भीतर उसकी संविदा के सन्तोषजनक रूप से पूर्ण कर दिए जाने के बाद या गारण्टी की अवधि, यदि हो, के समाप्त होने के बाद जो भी बाद में हो, तथा इससे संतुष्ट हो जाने पर कि निविदादाता के विरुद्ध कोई देय बकायाये (Outstanding Dues) नहीं हैं, प्रतिभूति राशि का प्रतिदाय किया जाएगा।



(2) (i) निदेशक, उद्योग विभाग, राजस्थान के पास रजिस्ट्रीकृत फर्मों को उन सामानों के सम्बंध में जिनके लिए वे रजिस्टर्ड हैं, उनके द्वारा निदेशक उद्योग से पंजीयन प्रमाण पत्र मूल रूप में, या उसकी फोटोस्टेट प्रति या राजपत्रित अधिकारी से उसकी विधिवत् अनुप्रमाणित प्रति प्रस्तुत किये जाने पर, बयाना राशि के भुगतान से आंशिक छूट दी जाएगी तथा वे निविदा के अनुमानित मूल्य के 1 प्रतिशत की दर पर प्रतिभूति निक्षेप का भुगतान करेगी।

(ii) केन्द्र सरकार एवं राजस्थान सरकार के उपक्रम प्रतिभूति राशि जमा कराने से मुक्त होंगे।

(3) प्रतिभूति निक्षेप का समपहरण :- प्रतिभूति की राशि को पूर्ण या आंशिक रूप से निम्नलिखित मामलों में समपहृत किया जा सकेगा -

(क) जब समपहृत के निम्नो निबंधनों और शर्तों का उल्लंघन किया गया हो।

(ख) जब निविदादाता सम्पूर्ण प्रदाय सन्तोषजनक ढंग से करने में असफल रहा हो।

(ग) प्रतिभूति निक्षेप समपहृत करने के मामले में युक्तियुक्त समय पूर्व नोटिस दिया जाएगा। इस सम्बंध में क्रेता अधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

(4) करार पत्र को पूर्ण करने एवं उस पर स्टाम्प लगाने के व्यय का भुगतान निविदादाता द्वारा किया जाएगा। उद्योग विभाग को उस करार की एक निष्पादित स्टाम्प शुदा प्रतिपहृत (Counter Part) नि शुल्क दी जाएगी।

36. (i) निविदा प्रपत्र में सुपुर्दगी के लिए विनिर्दिष्ट समय को सविदा के सार रूप में समझा जाएगा तथा सफल निविदादाता क्रेता अधिकारी से स्पष्ट आदेश के प्राप्त होने पर अवधि के भीतर प्रदाय करेगा।

(ii) परिसमापित नुकसानी :- परिसमापित नुकसानी के साथ सुपुर्दगी अवधि में वृद्धि करने के मामले में, वसूली निम्नलिखित प्रतिशतता के आधार पर उन सामानों के मूल्यों के लिए की जाएगी। जिनका निविदादाता प्रदाय करने में असफल रहा है :-

(1) (क) विहित सुपुर्दगी अवधि की एक चौथाई अवधि तक के विलम्ब के लिए 2½ %
(ख) एक चौथाई अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि की आधी अवधि से अनधिक के लिए 5 %

(ग) आधी अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि के तीन चौथाई से अनधिक 7½ % अवधि के लिए

(घ) विहित अवधि की तीन चौथाई से अधिक के विलम्ब के लिए 10 %

(2) प्रदाय में विलम्ब की अवधि की गणना करते समय आधे दिन से कम भाग को छोड़ दिया जाएगा।

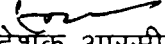


- (3) परिसमापित नुकसानी की अधिकतम राशि 10 प्रतिशत होगी।
- (4) यदि प्रदायकर्ता किन्हीं बाधाओं के कारण संविदान्तर्गत माल का प्रदाय पूरा करने के लिए समय में वृद्धि करना चाहता है, तो वह लिखित में उस प्राधिकारी को आवेदन करेगा जिसने प्रदायगी हेतु आदेश दिया है। किन्तु वह उसके लिए निवेदन बाधा के घटित होने पर तुरन्त उसी समय करेगा न कि प्रदाय पूर्ण होने की निर्धारित तारीख के बाद करेगा।
- (5) यदि माल का प्रदाय करने में उत्पन्न हुई बाधा निविदादाता के नियन्त्रण से परे कारणों से हुई हो तो सुपुर्दगी की अवधि में वृद्धि परिसमापित नुकसानी सहित या रहित की जा सकेगी।
37. यदि निविदादाता ऐसी शर्तें आरोपित करता है जो इसमें वर्णित शर्तों के अतिरिक्त हैं या उनके विरोध में हैं, तो उसकी निविदा को सक्षिप्त रूप में कारवाई कर रद्द कर दिया जाएगा। किसी भी सूरत में इनमें से किसी भी शर्त को स्वीकार किया हुआ नहीं समझा जाएगा जब तक कि क्रेता अधिकारी द्वारा जारी किए गए निविदा स्वीकृति के पत्र में विशेष रूप से उल्लेखित न किया गया हो।
38. यदि सविदा के निर्वचन (Interpretation), आशय या सविदा की शर्तों के उल्लंघन के सम्बन्ध में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो पक्षकारों द्वारा मामले को विभागाध्यक्ष को भेजा जाएगा जो उस विवाद के लिए एकमात्र मध्यस्थ (सोल आर्बिट्रेटर) के रूप में अपने वरिष्ठतम उप-अधिकारी की नियुक्ति करेगा। यह उप-अधिकारी इस सविदा के सम्बन्ध नहीं होगा तथा उसका निर्णय अंतिम होगा।
39. समस्त विधिक कार्यवाहियों यदि सार्वभूमिक किया जाना आवश्यक हो, किसी भी पक्षकार (सरकार या ठेकेदार) द्वारा राजस्थान में स्थित न्यायालाओं में ही की जाएगी, अन्यत्र नहीं की जाएगी।
40. सफल निविदादाता के पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से सामग्री प्रदाय करने में असफल रहने पर अथवा आपूर्ति/कार्य संतोषजनक नहीं करने पर निदेशक (वित्त), एनआरएचएम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, राजस्थान, जयपुर को यह अधिकार होगा कि अनुमोदित फर्म के हर्जे खर्चे पर पेनेल्टी सहित अन्य व्यवस्था द्वारा आदेशित कार्य/आपूर्ति अन्य फर्म से करा सकेंगे। इसके साथ ही प्रतिभुति राशि भी जब्त की जा सकती है।
41. समस्त निविदा प्रपत्र दिनांक 20.12.19 को सांय 4.00 बजे तक संयुक्त निदेशक वित्त, एनएचएम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, राज0, जयपुर के कार्यालय में कमरा नं सी-208, प्रथम तल, एनएचएम विंग स्वास्थ्य भवन, जयपुर में स्वीकार किये जावेंगे एवं दिनांक 23.12.

6

19 को प्रातः 11.00 बजे उपस्थित निविदादाता फर्मों के समक्ष खोले जावेंगे। निर्धारित दिनांक एवं समय पश्चात् प्राप्त होने वाले निविदा प्रपत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

42. उपर्युक्त शर्तों के अतिरिक्त अन्य शर्तें निविदा सूचना एवं सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम तथा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानानुसार लागू होंगी।


निदेशक आरसीएच

मैंने उपरोक्त सभी शर्तों का सावधानी पूर्वक परिशीलन कर लिया है एवं समझ लिया है तथा मैं/हम उपरोक्त सभी शर्तों से प्रतिबद्धित रहूंगा/रहेगे।

निविदादाता का नाम एवं हस्ताक्षर मय मोहर

वित्त (जी एण्ड टी) विभाग के परिपत्र दिनांक 04.02.2013 के तहत निर्धारित Annexure-A,B,C & D

Annexure A : Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

- (a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process,
- (b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process,
- (e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process,
- (f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process,
- (g) disclose conflict of interest, if any, and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest -

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest

- A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations
- A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if including but not limited to
- a. have controlling partners/ shareholders in common, or
 - b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. have the same legal representative for purposes of the Bid, or
 - d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
 - e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
 - f. the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid; or
 - g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Doc1

Annexure B : Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to for procurement of in response to their Notice Inviting Bids No Dated I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that

- 1 I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
- 2 I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
- 3 I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, nor have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
- 4 I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
- 5 I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition.

Date
Place

Signature of bidder
Name
Designation
Address.

Doc1



Annexure C : Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is _____

The designation and address of the Second Appellate Authority is _____

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved.

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings.

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

- (2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.
- (3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to be in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely -

- (a) determination of need of procurement;
- (b) provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;
- (c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) cancellation of a procurement process;
- (e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

- (a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.

Doc1

A

(c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

(6) Fee for filing appeal

(a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.

(b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

(a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.

(b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-

(i) hear all the parties to appeal present before him; and

(ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter

(c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.

(d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal

A

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012

Appeal No ... of ...
Before the ... (First / Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant

- (i) Name of the appellant
- (ii) Official address, if any
- (iii) Residential address

2. Name and address of the respondent(s)

- (i)
- (ii)

3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer / authority who passed the order (enclose copy), or a statement of a decision, action or omission of the Procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved

4. If the Appellant proposes to be represented by a representative, the name and postal address of the representative

5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal

6. Grounds of appeal

affidavit)

7

(Supported by an

Prayer

Place ...

Date .

Appellant's Signature

Doc1




Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis

- i. if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected,
 - ii. if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
 - iii. if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above
- If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

- (i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
 - (ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract
 - (iii) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier
- 

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

